Bhai Dooj Story: भाई दूज की कहानी (यम-यमुना की कहानी)

बहुत समय पहले, सूर्य देव की पत्नी संज्ञा को दो संतानें हुईं – यमराज और यमुनाजी। यमराज मृत्यु के देवता बने, जबकि यमुनाजी एक पवित्र नदी के रूप में पूजी गईं।

यमुनाजी अपने भाई यमराज से बहुत प्रेम करती थीं और हमेशा चाहती थीं कि यमराज उनके घर आएं और भोजन करें। लेकिन यमराज अपने कार्यों में इतने व्यस्त रहते थे कि वे अपनी बहन से मिलने नहीं जा पाते थे।

एक दिन, यमुनाजी ने अपने भाई को बुलाने का निर्णय लिया। उन्होंने यमराज से अनुरोध किया कि वे उनके घर आएं और भोजन ग्रहण करें।

यमराज अपनी बहन के प्रेम से प्रभावित हुए और उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया। जब यमराज यमुनाजी के घर पहुंचे, तो यमुनाजी ने उनका स्वागत फूलों की माला, तिलक और मिठाई से किया। इसके बाद उन्होंने प्रेमपूर्वक भोजन करवाया।

यमराज ने अपनी बहन के प्रेम और आतिथ्य से प्रसन्न होकर उनसे वरदान मांगने को कहा। यमुनाजी ने अपने भाई से वरदान मांगा कि जिस दिन वह अपने भाई को आदर और प्रेम से आमंत्रित करके तिलक लगाएंगी और भोजन करवाएंगी, उस दिन हर भाई की लंबी उम्र हो।

यमराज ने उनकी यह इच्छा पूरी की और वरदान दिया कि जो बहन इस दिन अपने भाई के लिए प्रार्थना करेगी, उसका भाई दीर्घायु होगा और उसे मृत्यु का भय नहीं होगा। तभी से भाई दूज का त्यौहार मनाया जाने लगा। जिस तरह से यम और यमुना का प्यार बना रहा वैसे ही सब भाई-बहनों का प्यार बना रहे।